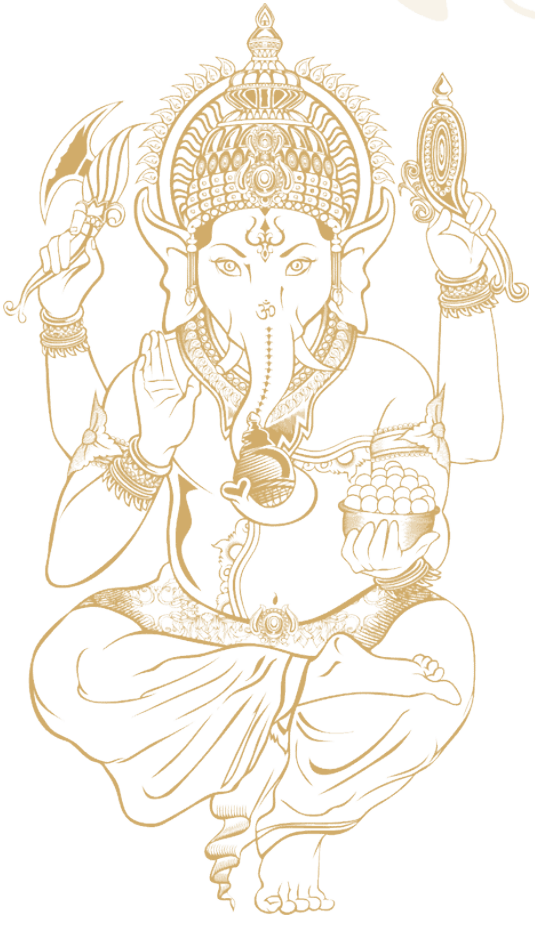

Pranjjal

22 Feb 2000

03:15 PM

Panchkula

Model: web-FreeVarshphal

Order No: 121330907

पुल्लिंग	लिंग	पुल्लिंग
22/02/2000	जन्म तिथि	**22/02/2026**
मंगलवार	दिन	रविवार
घंटे 15:15:00	जन्म समय	07:16:57 घंटे
घटी 20:42:32	जन्म समय(घटी)	00:49:12 घटी
India	देश	India
Panchkula	स्थान	Panchkula
उत्तर 30:43:00	अक्षांश	30:43:00 उत्तर
पूर्व 76:47:00	रेखांश	76:47:00 पूर्व
पूर्व 82:30:00	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:22:52	स्थानिक संस्कार	-00:22:52 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:57:59	सूर्योदय	06:57:16
18:15:21	सूर्यास्त	18:15:54
23:51:19	चित्रपक्षीय अयनांश	24:13:27

कर्क	लग्न	कुम्भ
चन्द्र	लग्न लग्नाधिपति	शनि
कन्या	राशि	मेष
बुध	राशि-स्वामी	मंगल
हस्त	नक्षत्र	अश्विनी
चन्द्र	नक्षत्र स्वामी	केतु
2	चरण	3
शूल	योग	शुक्ल
विष्टि	करण	बालव
ष-षडबली	जन्म नामाक्षर	चो-चोखी
मीन	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मीन
वैश्य	वर्ण	क्षत्रिय
मानव	वश्य	चतुष्पाद
महिष	योनि	अश्व
देव	गण	देव
आद्य	नाड़ी	आद्य
मेष	वर्ग	सिंह
26	गत/तत्कालिक वर्ष	27

जन्म - विवरण

नक्षत्र	पद	अंश	राशि	व	अ
पुनर्वसु	4	01:58:42	कर्क		
शतभिषा	1	09:13:03	कुंभ		
हस्त	2	14:14:48	कन्या		
उ०भाद्रपद	4	14:01:00	मीन		
पू०भाद्रपद	1	23:15:31	कुंभ	व	
अश्विनी	3	07:25:18	मेष		
श्रवण	1	11:20:24	मक		
भरणी	2	17:58:03	मेष		
पुष्य	2	09:32:23	कर्क	व	
उत्तराषाढ़ा	4	09:32:23	मक	व	
धनिष्ठा	1	23:52:19	मक		

वर्ष - विवरण

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	पद	नक्षत्र
लग्न			कुंभ	14:46:51	3	शतभिषा
सूर्य			कुंभ	09:13:03	1	शतभिषा
चंद्र			मेष	07:06:18	3	अश्विनी
मंगल		अ	मक	29:03:46	2	धनिष्ठा
बुध			कुंभ	26:54:09	3	पू०भाद्रपद
गुरु	व		मिथु	21:20:15	1	पुनर्वसु
शुक्र			कुंभ	20:20:48	1	पू०भाद्रपद
शनि			मीन	06:41:11	2	उ०भाद्रपद
राहु			कुंभ	14:44:48	3	शतभिषा
केतु			सिंह	14:44:48	1	पू०फाल्गुनी
मु			कन्या	01:58:42	2	उ०फाल्गुनी

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:27

लग्न-चलित

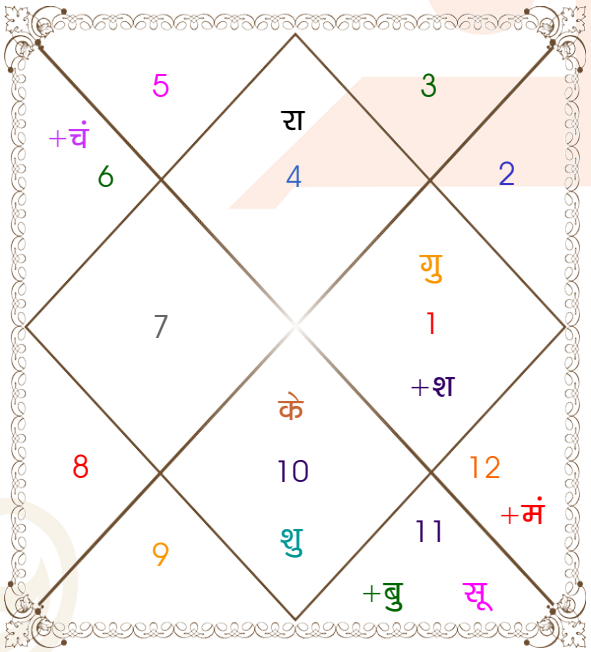

वर्ष लग्न कुंडली

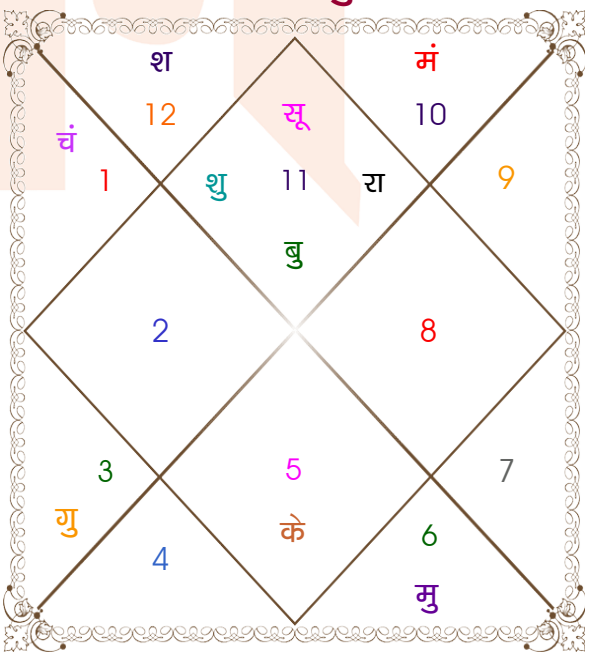

विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

राहु - शुक्र - सूर्य	
03/01/2026 20:10	
27/02/2026 15:04	
सूर्य	06/01/2026 13:54
चंद्र	11/01/2026 03:29
मंगल	14/01/2026 08:11
राहु	22/01/2026 13:25
गुरु	29/01/2026 20:44
शनि	07/02/2026 12:56
बुध	15/02/2026 07:12
केतु	18/02/2026 11:55
शुक्र	27/02/2026 15:04

राहु - शुक्र - चंद्र	
27/02/2026 15:04	
29/05/2026 22:34	
चंद्र	07/03/2026 05:41
मंगल	12/03/2026 13:31
राहु	26/03/2026 06:15
गुरु	07/04/2026 10:27
शनि	21/04/2026 21:26
बुध	04/05/2026 19:54
केतु	10/05/2026 03:44
शुक्र	25/05/2026 08:59
सूर्य	29/05/2026 22:34

राहु - शुक्र - मंगल	
29/05/2026 22:34	
01/08/2026 20:37	
मंगल	02/06/2026 16:03
राहु	12/06/2026 06:09
गुरु	20/06/2026 18:42
शनि	30/06/2026 21:35
बुध	09/07/2026 22:54
केतु	13/07/2026 16:24
शुक्र	24/07/2026 08:04
सूर्य	27/07/2026 12:46
चंद्र	01/08/2026 20:37

राहु - शुक्र - राहु	
01/08/2026 20:37	
13/01/2027 05:19	
राहु	26/08/2026 12:19
गुरु	17/09/2026 10:16
शनि	13/10/2026 10:51
बुध	05/11/2026 17:41
केतु	15/11/2026 07:47
शुक्र	12/12/2026 17:14
सूर्य	20/12/2026 22:29
चंद्र	03/01/2027 15:12
मंगल	13/01/2027 05:19

राहु - शुक्र - गुरु	
13/01/2027 05:19	
08/06/2027 07:43	
गुरु	01/02/2027 16:50
शनि	24/02/2027 20:01
बुध	17/03/2027 12:45
केतु	26/03/2027 01:17
शुक्र	19/04/2027 09:41
सूर्य	26/04/2027 17:01
चंद्र	08/05/2027 21:13
मंगल	17/05/2027 09:45
राहु	08/06/2027 07:43

राहु - शुक्र - शनि	
08/06/2027 07:43	
28/11/2027 19:34	
शनि	05/07/2027 18:59
बुध	30/07/2027 08:52
केतु	09/08/2027 11:45
शुक्र	07/09/2027 09:44
सूर्य	16/09/2027 01:55
चंद्र	30/09/2027 12:55
मंगल	10/10/2027 15:48
राहु	05/11/2027 16:23
गुरु	28/11/2027 19:34

राहु - शुक्र - बुध	
28/11/2027 19:34	
02/05/2028 01:07	
बुध	20/12/2027 19:21
केतु	29/12/2027 20:40
शुक्र	24/01/2028 17:36
सूर्य	01/02/2028 11:52
चंद्र	14/02/2028 10:20
मंगल	23/02/2028 11:39
राहु	17/03/2028 18:29
गुरु	07/04/2028 11:14
शनि	02/05/2028 01:07

राहु - शुक्र - केतु	
02/05/2028 01:07	
04/07/2028 23:10	
केतु	05/05/2028 18:36
शुक्र	16/05/2028 10:16
सूर्य	19/05/2028 14:58
चंद्र	24/05/2028 22:49
मंगल	28/05/2028 16:18
राहु	07/06/2028 06:24
गुरु	15/06/2028 18:57
शनि	25/06/2028 21:50
बुध	04/07/2028 23:10

राहु - सूर्य - सूर्य	
04/07/2028 23:10	
21/07/2028 09:38	
सूर्य	05/07/2028 18:53
चंद्र	07/07/2028 03:45
मंगल	08/07/2028 02:46
राहु	10/07/2028 13:56
गुरु	12/07/2028 18:32
शनि	15/07/2028 08:59
बुध	17/07/2028 16:52
केतु	18/07/2028 15:53
शुक्र	21/07/2028 09:38

राहु - सूर्य - चंद्र	
21/07/2028 09:38	
17/08/2028 19:05	
चंद्र	23/07/2028 16:25
मंगल	25/07/2028 06:46
राहु	29/07/2028 09:23
गुरु	02/08/2028 01:03
शनि	06/08/2028 09:08
बुध	10/08/2028 06:17
केतु	11/08/2028 20:38
शुक्र	16/08/2028 10:12
सूर्य	17/08/2028 19:05

राहु - सूर्य - मंगल	
17/08/2028 19:05	
05/09/2028 23:18	
मंगल	18/08/2028 21:55
राहु	21/08/2028 18:57
गुरु	24/08/2028 08:19
शनि	27/08/2028 09:11
बुध	30/08/2028 02:23
केतु	31/08/2028 05:14
शुक्र	03/09/2028 09:56
सूर्य	04/09/2028 08:57
चंद्र	05/09/2028 23:18

राहु - सूर्य - राहु	
05/09/2028 23:18	
25/10/2028 06:42	
राहु	13/09/2028 08:48
गुरु	19/09/2028 22:36
शनि	27/09/2028 17:58
बुध	04/10/2028 17:37
केतु	07/10/2028 14:39
शुक्र	15/10/2028 19:53
सूर्य	18/10/2028 07:03
चंद्र	22/10/2028 09:40
मंगल	25/10/2028 06:42

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्थेश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकारयों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकाँश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथाः-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजनुषोर्बलमस्य चिन्त्यम्।।

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा शरीर में कफ आदि रोगों से आप समय समय पर कष्ट की अनुभूति करेंगे। साथ ही मानसिक रूप से भी आपकी स्थिति अच्छी नहीं रहेगी तथा मन में तनाव एवं व्याकुलता का भाव विद्यमान रहेगा। इस समय शरीर में दुर्बलता भी रहेगी तथा स्वभाव में कोध भी अधिक रहेगा फलतः यदा कदा अनावश्यक परेशानियां उत्पन्न होंगी। परिवार की सुख शान्ति तथा समृद्धि इस वर्ष में अच्छी नहीं रहेगी तथा पुत्र एवं स्त्री से संबंधों में तनाव तथा परस्पर कलह का भाव रहेगा जिससे दाम्पत्य सुख में न्यूनता रहेगी। धर्म के प्रति भी इस समय आपकी श्रद्धा कम ही रहेगी तथा धार्मिक प्रवृतियों की आप उपेक्षा करेंगे। साथ ही सुख संसाधनों में भी अल्पता रहेगी तथा सुख भी अल्प मात्रा में प्राप्त होगा। इस समय समाज में लोकोपवाद से आपकी मान हानि की संभावना रहेगी फलतः मानसिक व्याकुलता की आपको अनुभूति होगी।

व्यापारिक तथा कार्यक्षेत्र की उन्नति के लिए भी वर्ष अनुकूल नहीं रहेगा तथा व्यापारिक उन्नति तथा सफलता में व्यवधान उत्पन्न होंगे साथ ही हानि की भी संभावना रहेगी। नौकरी या राजनीति में इस समय आपकी उन्नति में विलम्ब होगा तथा इसमें रूकावटें भी आएंगी। शत्रु पक्ष से इस समय आप चिन्तित भयभीत तथा पराजित रहेंगे तथा समाज में अन्य जनों से आपका कलह भी होता रहेगा जिससे समाजिक मान सम्मान तथा यश में कमी आएगी। इस समय बन्धुवर्ग से भी आपको तिरस्कृत होना पड़ेगा तथा वे आपको कोई भी सहयोग प्रदान नहीं करेंगे । इसके अतिरिक्त आर्थिक रूप से भी आप परेशान रहेंगे तथा धनाभाव से कष्ट प्राप्त होगा। इस प्रकार यह वर्ष आपके लिए प्रतिकूल रहेगा। अतः शान्ति पूर्वक अपना समय व्यतीत करें।

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोडे से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथाः-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्थिहास्वामिसौम्येत्थशालं प्रपन्ना।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य विशेष अच्छा नहीं रहेगा तथा समय समय पर आप शारीरिक कष्ट तथा परेशानी की अनुभूति करेंगे। इससे शरीर में दुर्बलता रहेगी तथा स्वभाव में चिड़चिड़ापन भी विद्यमान रहेगा ।साथ ही आपके सांसारिक महत्व के शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य भी परिश्रम पूर्वक सिद्ध होंगे। शत्रुपक्ष से इस समय आप भयभीत तथा चिन्तित रहेंगी एवं वे आपके लिए यदा कदा अनावश्यक समस्याएं उत्पन्न करेंगे जिससे आपको असुविधा होगी। इस समय आपके घर में चोरी आदि की भी संभावना रहेगी। अतः ऐसे समय में आपको सावधान तथा सतर्क रहना चाहिए।धर्म के प्रति इस समय आपके मन में विशेष श्रद्धा नहीं रहेगी तथा धार्मिक कार्यों की आप उपेक्षा करेंगे।इसके साथ ही मानसिक अशान्ति तथा असन्तुष्टि भी बनी रहेगी।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र के लिए भी समय विशेष अच्छा नहीं रहेगा। नौकरी या राजनीति में इस समय आपको व्यवधानों का सामना करना पड़ेगा तथा अधिकारी या वरिष्ठ नेता आपसे अप्रसन्न तथा असन्तुष्ट से रहेंगे।अतः इस समय इनकी आज्ञा का पालन करें तथा उनकी उपेक्षा न करें।व्यापार आदि में भी सहयोगियों से सावधान रहें तथा किसी नये कार्य पर व्यय न करें अन्यथा हानि की संभावना रहेगी। साथ ही इस समय आपको लोकोपवाद से मान हानि भी मिल सकती है तथा मुकद्दमे या चुनाव आदि में आपकी हार हो सकती है।इस समय आपकी दूर की कोई यात्रा भी होगी जिससे विशेष लाभ नहीं होगा तथा यात्रा के मध्य कष्ट की संभावना रहेगी। अतः ऐसे समय को धैर्य एवं शान्ति पूर्वक व्यतीत करना चाहिए।